मीडिया रिपोर्ट

आज़ादी का अमृत महोत्सव

30th Convocation

30वाँ दीक्षांत समारोह

CONVOCATION 2022
30th
दीक्षांत समारोह 2022
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA

मंगलवार, 26 अप्रैल 2022

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya

(A Central University)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

www.dhsgsu.edu.in

30वाँ दीक्षांत समारोह

30th Convocation

Tuesday, April 26th, 2022

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya

(A Central University)

Sagar-470003, Madhya Pradesh

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

के

कुलपति,

कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् के सदस्यगण एवं

विश्वविद्यालय परिवार

30वें दीक्षांत समारोह

के अवसर पर

वैशाख, कृष्णपक्ष, एकादशी विक्रम संवत् 2079

तद्नुसार 26 अप्रैल 2022, मंगलवार, पूर्वान्ह 10.30 बजे

आपको सादर आमंत्रित करते हैं।

मुख्य अतिथि

मा. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

केन्द्रीय राज्य मंत्री

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथिगण

मा. श्री मनोज तिवारी

संसद सदस्य, दिल्ली

मा. श्री गोपाल भार्गव

कैबिनेट मंत्री

लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, मध्यप्रदेश शासन

अध्यक्षता

मा. प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी

कुलाधिपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

वार्षिक प्रतिवेदन वाचन

मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

कार्यक्रम स्थल - स्वर्ण जयंती सभागार, विश्वविद्यालय परिसर, सागर (म.प्र.)

संतोष सोहगौरा

कुलसचिव (प्र.)

The Vice-Chancellor
Members of the Executive Council
The Academic Council and the Vishwavidyalaya Fraternity
of

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

solicit your gracious presence on the occasion of the

30th Convocation

to be held on Tuesday, 26 April, 2022 at 10.30 am

Chief Guest

Smt. Annpurna Devi
Hon'ble Minister of State
Ministry of Education, Government of India

Guests of Honour

Shri Manoj Tiwari
Hon'ble Member of Parliament, Delhi

Shri Gopal Bhargava
Hon'ble Cabinet Minister, Public Works
Cottage and Rural Industries Dept., Govt. of M.P.

Presided by
Prof. Balvantrai Shantilal Jani
Hon'ble Chancellor
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar

Annual report presented by
Prof. Neelima Gupta
Hon'ble Vice Chancellor
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar

Venue : Swarna Jayanti Auditorium, Vishwavidyalaya Campus, Sagar (M.P.)

Santosh Sohgaura
Registrar (Offg.)

Convocation - 2022 Advisory Committee

1	Prof. Neelima Gupta	Vice-Chancellor	Chairperson
2	Prof. J.D. Ahi	Senior Most Professor	Member
3	Prof. P.K. Kathal	Deptt. of Applied Geology	Member
4	Prof. AP. Tripathi	Deptt, of Hindi	Member
5	Prof. R.K. Trivedi	Deptt. of Applied Geology	Member
6	Prof. Sanjay K. Jain	Deptt. of Pharmaceutical Science	Member
7	Prof. A.D. Sharma	Director, Students' Affairs	Member
8	Prof. G.L. Puntambekar	Deptt. of Commerce	Member
9	Prof. G.M. Dubey	Proctor	Member
10	Prof. Ashish Verma	Deptt. of Physics	Member
11	Prof. Naveen Kango	Director, Academic Affairs	Convenor
12	Prof. Shweta Yadav	Deptt. of Zoology	Member
13	Shri Santosh Sohgaura	Registrar (Offg.)	Member
14	Shri Satish Kumar	Dy. Registrar (Academics)	Member

Convocation-2022

Committees & Convenors

S.No.	Name of the Committee	Convenor
01	Degree Committee. (DC) and Medal Cornmitlee	Dr. Surendra Gadewar, lic CoE
02	Robe Design & Distribution Committeo (RDDC)	Prof. A.D.Sharma
03	Bouquet and Mementos Committee (BMC)	Prof. H.Thomas
04	Dias Pandal & Decoration Committee (DPDC)	Prof. Sanjay K. Jain Shri Rahul Giri Goswami, Co-convenor
05	Legal Commitee (LC)	Prof. Nagesh Dubey
06	Finance Committee (FC)	Prof. Devashish Bose
07	Invitation Committee (IC)	Prof. Subodh Jain
08	Convocation Booklet & Souvenir Committee (CBSC)	Prof. Umesh Patil
09	Transport Committee (TC)	Shri Satish Kumar
10	Accommodation Committee (AC)	Prof. Sanjay K. Jain
11	Rafreshment Committco (RC)	Prof. Vandana Soni Prof. Ratnesh Das - Co- convenor
12	Vandana Commitee (VNC)	Dr. Lalit Mohan
13	Programme Committee (PC) and Convocation Procession Committee (CPC)	Prof. R.K. Trivedi
14	Proctorial Board & Sludent Discipline Commitlee	Prof. GM Dubey
15	Web-Cell and Online System Commitlee (WOC) Press and Media Committee (PMC) and Digital Media Committee (DMC)	Prof. Diwakar Shukla Prof. Diwakar Singh Rajput, Co- convenor
16	Medical Committee (MC)	Dr. Kiran Maheshwari Dr. Bhupendra Kumar Patel, Co- convenor
17	Convocation Office	Prol. Naveen Kanga

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

30h Convocation (26 April 2022)
Minute to Minute Programme

- Chief Guest : Smt. Annpurna Devi, Hon'ble Minister of State, Dept of Education, Govt. of India
- Guest of Honor : Shri Manoj Tiwari, Hon'ble Member of Parliament, New Delhi
- Special Guest : Shri Gopal Bhargava, Hon'ble Minister of Public Works Department; Cottage & Rural Industry, Govt. of M.P

10:15 h Floral tribute to Dr. Harisingh Gour at Samadhi Sthal.
Inauguration of the newly constructed Girls Hostel

10:30 -11:00 h Welcome of Guests by:
Prof. Balvant Shantilal Jani, Chancellor
Prof. Neelima Gupta, Vice Chancellor
Prof. Naveen Kango, Chief Coordinator of 30th Convocation
Shri Santosh Sohgaura, Registrar

> Photograph with Executive Council and Academic Coumcil Members at Swarna Jayanti Auditortum
> Dignitaries Conducted to the Dais in Procession

11: 00 h	The Chancellor declares the Convocation open
11: 01 h	Saraswati Vandana, Lighting of the Lamp and Floral tributes
11: 04 h	Welcome of the dignitaries on the Dais by the Vice Chancellor
11: 05 h	Welcome Speech & Annual Report by the Vice Chancellor: Prof. Neelima Gupta
11: 20 h	Presentation of Ph.D. Degrees by Director, Academic Affairs
11: 25 h	Presentation of Degrees by the Deans of School [PG & UG]
11: 35 h	Award of University Medals by the Chief Guest: Smt. Annpurna Devi
11: 55 h	Keynote address by the Guest of Honor: Shri Mauoj Tiwari
12: 10 h	Blessings by Special Guest: Shri Gopal Bhargava
12: 20 h	Convocation Address by the Chief Guest: Sınt. Anupurna Devi
12: 35 h	Presidential address by the Chancellor: Prof. Balvant Shantilal Jani
12: 50 h	Felicitation of the Dignitaries on the Dais with Memento
12: 54 h	Vote of thanks by the Registrar: Shri Santosh Sohgaura
12: 59 h	The Chancellor declares the Convocation closed
13: 00 h	National Anthem (Jan-Gan -Man)
	Departure of the Procession

***

विश्वविद्यालय का तीसवाँ दीक्षांत समारोह संपन्न

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सम्पूर्ण कार्यक्रम का यूट्यूब पर हुआ लाइव प्रसारण

सागर 26 अप्रैल. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय , सागर के 30वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया. दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत

सरकार अन्नपूर्णा देवी थीं. विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने ऑनलाइन माध्यम से दीक्षांत समारोह को संबोधित किया तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

राष्ट्र के प्रति समर्पण में है पदक और उपाधि की सार्थकता- कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डॉ. गौर के सच्चे वारिस हैं. आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है. सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. भाषाएँ भारतीय सामाजिक भिन्नता को एकता के एक

साझे सूत्र में बांधती हैं और भारतीय भाषाओं में सम्पूर्ण भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्त्व करती हैं. डॉ गौर ने विदेशी धरती पर शिक्षा जरूर प्राप्त की लेकिन उनकी चिंतन प्रक्रिया की दृष्टि पूर्णतः भारतीय थी. इसीलिये मैं कहता हूँ कि डॉ. गौर भारतीय स्वत्वबोध के अग्रगण्य नायक थे.

मानव समाज की प्रगति में विश्वविद्यालयों का अहम योगदान- अन्नपूर्णा देवी

समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौर सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है. इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं, वह सभी प्रायः विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं. इसीलिये भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रत्येक वर्ग, समाज के बच्चों के लिए समावेशी और सुलभ बताया. विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आपकी खुशकिस्मती है कि आप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे महत्त्वपूर्ण संस्थान में अध्ययन किया है. ऐसे में आपको डॉ. गौर, अपने परिवार, अपने विश्वविद्यालय, अपने शिक्षकों और ईश्वर के प्रति हमेशा कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए और आने वाले समय में अपनी सम्पूर्ण क्षमता और सामर्थ्य के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए. उन्होंने सभी पदक और डिग्री से अलंकृत होने वाले विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति और गौरवशाली भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किया.

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ज्ञान, सद्भावना और मनुष्यता के राजदूत बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. यूजीसी की परियोजना के तहत विश्वविद्यालय में स्किल हब की शुरुआत की गई है. प्लेसमेंट

सेल और स्टार्ट अप योजनाओं के तहत विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है. पिछले दिनों देश के कई विश्वविद्यालयों और उत्कृष्ट संस्थाओं से हुए शैक्षणिक समझौतों का भी उन्होंने जिक्र किया. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर हमारे विद्यार्थी संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

डॉ. गौर की सुरम्य बगिया में ज्ञान प्राप्त करना गौरव की बात- मनोज तिवारी

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात लोक कलाकार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने ऑनलाइन माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे सुन्दर प्राकृतिक एवं ज्ञान से समृद्ध परिवेश में अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी के लिए सौभाग्य की बात है.

हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जितने भी श्रेष्ठ गुरुकुल हुआ करते थे उनके लिए किसी प्रकार का प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य था. उन्होंने कहा कि दीक्षांत का अर्थ शिक्षा का अंत नहीं बल्कि शिक्षा के उपरान्त जीवन जगत की जिम्मेदारी से है. इसलिए मैं आज उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों से कहना चाहता हूँ कि वास्तविक शिक्षा का अर्थ जीवन जीने का विशिष्ट भाव का पालन है. जो शिक्षा हमारे मन राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का संकल्प जगाती हो, वही शिक्षा वरेण्य है.

विश्वविद्यालय से है हम सबका आत्मीय लगाव- गोपाल भार्गव

विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है. मेरी इस विश्वविद्यालय से जुडी कई स्मृतियाँ हैं.

उन्होंने कहा कि पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और अपने क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी तन, मन, धन से सहयोग कर देश को एक नई दिशा दें और ऊंचाई पर पहुंचाएं. उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की.

विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के माननीय सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे.

11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि एवं मेडल

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनु पस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं.

गौर समाधि पर पुष्पांजलि, नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ.

एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और एन एस एस के स्वयंसेवकों ने भी अभूतपूर्व सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और एन एस एस के विद्यार्थी विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहकर अनुशासन एवं सहयोग तत्पर दिखे. विश्वविद्यालय के प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुरक्षा एवं अनुशासन में सहयोग प्रदान किया. जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया.

मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. आर के त्रिवेदी, डॉ. राकेश सोनी सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया. दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन भी किया. सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. कार्यक्रम में सागर नगर विधायक शैलेन्द्र जैन, गौरव सिरोठिया, वीनू राणा, डॉ. प्रदीप पाठक, डॉ. जी एस चौबे, श्रीमती लता वानखेड़े, डॉ. वन्दना गुप्ता, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. ज्योति चौहान, सुनील देव, बृजमोहन सिंह सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे.

30वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल 2022
विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर

विवि में 30वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 26 अप्रैल को

नवभारत न्यूज

सागर 23 अप्रैल. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह का आयोयजन 26 अप्रैल को स्वर्ण जयंती सभागार में किया जा रहा है.

केंद्रीय मंत्री अन्नापूर्णा देवी होंगी मुख्य अतिथि

कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री शिक्षा मंत्रालय श्रीमती अन्नापूर्णा देवी एवं विशिष्ठ अतिथि सांसद मनोज तिवारी और केबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव तथा अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय शांतिलाल जॉनी करेगें. इस अवसर पर वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेगीं. दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र.छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण 24 और 25 अप्रैल को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से वितरित किया जाएगा. पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रमत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं.

विश्वविद्यालय में 30वां दीक्षा समारोह 26 को

सागर। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि में 26 अप्रेल को 30वां दीक्षा समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह की मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी। विशिष्ट अतिथि संसद सदस्य मनोज तिवारी, मप्र के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। अध्यक्षता डा. हरी सिंह गौर विवि के कुलाधिपति बलवंत राय शांतिलाल जानी करेंगे। (नप्र)

विवि का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 को

केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी होंगी समारोह की मुख्य अतिथि

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर में 30 वां दीक्षांत समारोह मंगलवार 26 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे से विवि के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया जायेगा। समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री शिक्षा मंत्रालय श्रीमती अन्नपूर्णा देवी होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद मनोज तिवारी और मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय शांतिलाल जानी करेंगे। वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन कुलपति नीलिमा गुप्ता करेंगी।

दीक्षांत समारोह की रिहर्सल आज

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के 30वें दीक्षांत समारोह का रिहर्सल आज अपराह्न 03 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में होगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राएं 24 अप्रैल, 2022 को अपराह्न 3.00 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास हेतु शामिल होंगे. उन्होंने बताया कि मुख्य आयोजन में सभी छात्र निर्दिष्ट सीट पर बैठने हेतु अपने पहचान-पत्र/फोटो आईडी (आधार, पैन इत्यादि) के साथ अपना प्रवेश पत्र भी साथ में लाएं।

आज से होगा पोशाक का वितरण

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के 30वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण दिनांक 24 और 25 अप्रैल, 2022 को सुबह 11 बजे से शाम 4.00 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से वितरित किया जाएगा। पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं।

विवि में दीक्षांत समारोह का रिहर्सल आज से

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालयए के 30वें दीक्षांत समारोह का रिहर्सल आज दोपहर 3 बजे से स्वर्ण जयन्ती सभागार में होगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राएं 24 अप्रैल को अपराह्न 3 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास हेतु शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य आयोजन में सभी छात्र निर्दिष्ट सीट पर बैठने हेतु अपने पहचान पत्र, फोटो, आईडी, आधार, पैन इत्यादि के साथ अपना प्रवेश पत्र भी साथ में लाएं। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण 24 एवं 25 अप्रैल को सुबह 11 से शाम 4 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से वितरित किया जाएगा। पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं।

विवि का 30वां दीक्षांत समारोह 26 को, रिहर्सल आज दोपहर 03 बजे से

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का 30वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। समारोह की रिहर्सल आज अपराह्न 03 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में होगी। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र छात्राएं 24 अप्रैल को अपराह्न 3 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास हेतु शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य आयोजन में सभी छात्र निर्दिष्ट सीट पर बैठने हेतु अपने पहचान पत्र, फोटो आईडी, आधार, पैन इत्यादि के साथ अपना प्रवेश पत्र भी साथ में लाएं। समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण 24 और 25 अप्रैल को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से किया जाएगा। पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह 26 को, आज होगी रिहर्सल, पोशाक वितरण

विश्वविद्यालय के 1200 विद्यार्थियों ने समारोह के लिए कराया रजिस्ट्रेशन, 1000 होंगे शामिल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को स्वर्णजयंती सभागार में सुबह 10:30 बजे से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में संसद सदस्य मनोज तिवारी, कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह में उपाधि ग्रहण करने के लिए विश्वविद्यालय के 1200 से ज्यादा विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया है। इनमें से करीब 1000 विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे।

स्वर्ण जयंती हाल में रिहर्सल आज दोपहर 3 बजे से

दीक्षांत समारोह का रिहर्सल रविवार दोपहर 3 बजे से विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में होगी। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं इसमें पूर्वाभ्यास के लिए शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य आयोजन में सभी छात्र निर्दिष्ट सीट पर बैठने के लिए अपने पहचान-पत्र (आधार, पैन) के साथ अपना प्रवेश पत्र भी साथ लाएं।

गौर समाधि प्रांगण में आज से पोशाक वितरण

समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को दीक्षांत पोशाक का वितरण रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक गौर समाधि प्रांगण में किया जाएगा। सोमवार को भी इसी समयावधि में पोशाक वितरण होगा। पोशाक प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रपत्र साथ में लाना अनिवार्य है। इसके बाद ही निर्धारित काउंटर से पोशाक प्राप्त की जा सकेगी।

कुर्ता और पगड़ी पहनकर डिग्री लेंगे विद्यार्थी

विवि का दीक्षा समारोह कल ● केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी समारोह की मुख्य अतिथि

दीक्षा समारोह मे कुछ इस तरह पगड़ी पहने नजर आएंगे विद्यार्थी। ● नवदुनिया

दीक्षा समारोह की तैयारियों का कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जायजा लिया। ● नवदुनिया

दीक्षा समारोह मे रजिस्ट्रेशन कराने वाले विद्यार्थियों को पोशाक वितिरित की गई। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षा समारोह 26 अप्रैल को पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर विवि प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। रविवार को दीक्षा समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को पोशाक वितरित कर आयोजन की पूर्व रिहर्सल की गई। विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित होने वाले इस समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी।

दीक्षा समारोह के मुख्य आयोजन के पहले विवि के अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थियों द्वारा दो दिनों तक रिहर्सल की जाएगी। रविवार को दोपहर में हुई रिहर्सल में कई विद्यार्थी शामिल हुए और दीक्षा प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान की जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर पूर्वाभ्यास में शामिल रहे। रविवार को विवि परिसर में रजिस्ट्रेशन कराने वाले विद्यार्थियों ने विवि पहुंचकर आयोजन में पहनी जाने वाली खास पोशाक व अन्य आवश्यक सामग्री प्राप्त की।

दीक्षा समारोह कार्यक्रम में विद्यार्थी विशेष तरह की पगडी, कुर्ता और गमछा पहनेंगे। सोमवार को भी दोपहर 3 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षा समारोह का सम्पूर्ण रिहर्सल किया जाएगा, जिसमें मेडल पाने वाले विद्यार्थी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें ताकि मेडल प्रदान किए जाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत हो सकें। वहीं समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षा पोशाक का वितरण 25 अप्रैल को किया जाएगा।

दो वर्षों के विद्यार्थियों को किया जाएगा शामिल: कार्यक्रम के संबंध में पत्रकारों को जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षा समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। दीक्षा एक ऐसा अवसर होता है जहां विद्यार्थी केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त करता बल्कि वह उन संस्कारों के साथ आगे जाता है जो उसने इस अकादमिक परिसर में रहते हुए सीखा है। उसके व्यक्तित्व निर्माण से जुड़ी हर चीज उसकी स्मृति का हिस्सा होती हैं। विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना एक विद्यार्थी के लिए सबसे अन्यतम अनुभवों में से है, इसलिए दीक्षा जैसे आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में काफी मायने रखता है।

1140 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन, शामिल होंगे एक हजार: दीक्षा समारोह में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों में काफी उत्साह है, जिस कारण वह पंजीयन कराने के बाद इस समारोह में शामिल होने उत्सुक हैं। आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि यूजी के 620 पीजी के 440 और पी-एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने इस समारोह में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है, जिसमें से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जाएगी। दीक्षा समारोह के पूर्व अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन भी होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है। इससे छात्राओं के हास्टल की सुविधा में और बढ़ोत्तरी होगी, क्योंकि हमारे पास लगातार ऐसी शिकायतें आती हैं कि विवि में छात्राओं को रुकने के लिए कमरें नहीं मिल पाते हैं।

सांसद तिवारी भी आएंगे

कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी। उनके साथ कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी सारस्वत व मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे। विवि प्रशासन द्वारा सागर सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन विवि में होने वाले इस आयोजन में अब तक सिर्फ मंत्री गोपाल भार्गव की ही सहमति ही मिली है।

1100 से ज्यादा विद्यार्थियों को दी जाएंगी डिग्रियां

केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री की मौजूदगी में कल होगा विवि का 30 वां दीक्षांत समारोह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रेल को आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार मे आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी हैं। वहीं, कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप मे कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव शामिल होंगे।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन मे दोनों वर्षो मे उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है।

आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो.नवीन कांगो ने बताया कि यूजी के 620, पीजी के 440 और पीएचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने इस समारोह मे शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है, जिसमे से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जाएगी।

रिहर्सल हुई, विद्यार्थियों को बांटी पोशाक

सागर. दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में रविवार की दोपहर 3 बजे रिहर्सल की। दीक्षांत प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान की जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भी उपस्थित होकर पूर्वाभ्यास किया। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कांगो ने बताया कि सोमवार को भी दोपहर 3 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह का सम्पूर्ण रिहर्सल किया जाएगा। इसमें मेडल पाने वाले विद्यार्थी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें ताकि मेडल प्रदान किए जाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत हो सके। इधर, दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण किया गया। सोमवार को भी शेष बचे विद्यार्थियों को पोशाक वितरित की जाएगी। दीक्षांत समारोह के शुरू होने से पहले अतिथियों द्वारा नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन भी होगा।

दो वर्षों के उत्तीर्ण विद्यार्थी होंगे शामिल केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री होंगी मुख्य अतिथि

विवि का 30वां दीक्षांत समारोह कल

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार होंगी। प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी सारस्वत अतिथि होंगे तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे। दीक्षांत समारोह आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई जिसमें पत्रकारों को संबोधित करते हुए विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। दीक्षांत एक ऐसा अवसर होता है जहां विद्यार्थी केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त करता बल्कि वह उन संस्कारों के साथ आगे जाता है जो उसने इस अकादमिक परिसर में रहते हुए सीखा है। उसके व्यक्तित्व निर्माण से जुड़ी हर चीज उसकी स्मृति का हिस्सा होती है। विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना एक विद्यार्थी के लिए सबसे अन्यतम अनुभवों में से है इसलिए दीक्षांत जैसे आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में काफी मायने रखता है।

छात्रों ने दी सहमति

उन्होंने इस पूरे आयोजन की संकल्पना और संरचना को पत्रकारों से साझा किया। आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि यूजी के 620 पीजी के 440 और पी.एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने इस समारोह में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है जिसमें से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी। दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन भी होगा।

कुलाधिपति, कुलपति, शिक्षक और विद्यार्थियों ने की रिहर्सल

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में अपराह्न 03 बजे से आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और दीक्षांत प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान की जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर पूर्वाभ्यास में शामिल रहे। मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि 25 अप्रैल को भी अपराह्न 03 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह का सम्पूर्ण रिहर्सल किया जायेगा इसमें मेडल पाने वाले विद्यार्थी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें ताकि मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत हो सकें।

केंद्रीय विवि का 30वां दीक्षांत समारोह कल, एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी होंगे शामिल

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय 30वां दीक्षांत समारोह कल 26 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी व दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी और मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह आयोजन के संबंध में विवि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पत्रकार-वार्ता आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका। इसलिए विवि ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने इस आयोजन की पूरी जानकारी विस्तार से दी। आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए कुल 1140 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिसमें यूजी के 620 पीजी के 440 और पी-एचडी के 80 विद्यार्थी शामिल हैं, लेकिन इसमें से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जाएगी।

दीक्षांत समारोह में पंजीकृत 1140 विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री कल

नवभारत न्यूज

सागर 24 अप्रैल. डॉ हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर का 30 वां दीक्षांत समारोह का आयोजन 26 अप्रैल मंगलवार को स्वर्ण जयंती सभागार में किया जा रहा है. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी होंगी.

समारोह को लेकर आज रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय विवि का चतुर्थ और विवि का तीसवां दीक्षांत समारोह है. आयोजन स्थल पर ही शोभायात्रा निकलेगी. समारोह के पूर्व विवि परिसर में निर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया जायेगा. समारोह के मुख्य समन्वयक डॉ. नवीन कांगों ने बताया कि निर्धारित तिथि तक 1403 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, मगर 263 विद्यार्थी किन्ही कारणों से उपस्थित ना हो पाने के कारण 1140 विद्यार्थी शामिल होंगे. जिनमें पीएचडी के 80, पीजी के 440 और यूजी के 620 छात्र-छात्राएं समारोह में डिग्री प्राप्त करेंगे. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी और लोनिवि मंत्री गोपाल भार्गव होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय जॉनी करेंगे. वार्षिक प्रतिवेदन वाचन कुलपति प्रो. गुप्ता करेंगी.

समारोह में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों के साथ विवि परिवार के वर्तमान और पूर्व शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल होंगे.

30वां दीक्षांत समारोह • केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री, नई दिल्ली के सांसद और मंत्री गोपाल भार्गव होंगे शामिल

विवि के 1140 विद्यार्थियों को समारोह में मिलेगी डिग्री

आयोजन कल स्वर्ण जयंती सभागार में होगा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह में 1140 विद्यार्थियों को एक साथ डिग्री दी जाएगी। जबकि 263 विद्यार्थियों के घर भेजी जाएगी। इसके अलावा मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी 102 मेधावी विद्यार्थियों को मंच से मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। समारोह का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। समारोह के लिए एक दिन का समय शेष है, लेकिन अभी तक सागर सांसद राजबहादुर सिंह की ओर से सहमति नहीं मिली है।

दीक्षांत समारोह को लेकर स्वर्ण जयंती हाल में रिहर्सल हुई।

पत्रकार वार्ता के दौरान कुलपति और कार्यक्रम के मुख्य समन्वयन प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि समारोह के लिए 1403 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। इनमें से यूजी के 620, पीजी के 440 तथा पीएचडी के 80 विद्यार्थी समारोह में शामिल हो रहे हैं। जबकि 263 विद्यार्थी समारोह में नहीं आ रहे हैं। कोरोना संक्रमण के कारण दो साल से समारोह नहीं हो पा रहा था। इसलिए इस आयोजन में दोनों सालों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया है। दीक्षांत समारोह के पहले अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का लोकार्पण किया जाएगा। समारोह के बाद यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मिनट टू मिनट कार्यक्रम :

20 मिनट में बंटेंगे मेडल, 15-15 मिनट बोलेंगे अतिथि

सुबह 10:15 बजे - अतिथि और विवि परिवार गौर समाधि पर डॉ. गौर को पुष्पांजलि देगा, गर्ल्स हॉस्टल का लोकार्पण
सुबह 10:30 बजे - अतिथियों का स्वागत, फोटो सेशन
सुबह 11 बजे - कुलाधिपति द्वारा कार्यक्रम शुभारंभ की घोषणा
सुबह 11:01 बजे - सरस्वती वंदना
सुबह 11:04 बजे - कुलपति द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत
सुबह 11:05 बजे-कुलपति द्वारा स्वागत भाषण और वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन
सुबह 11:20 बजे - पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएंगी
सुबह 11:25 बजे - यूजी और पीजी की डिग्री प्रदान की जाएंगी
सुबह 11:35 बजे - विश्वविद्यालय के मेडल का वितरण
सुबह 11:55 बजे - विशिष्ट अतिथि द्वारा मुख्य भाषण
दोपहर 12:10 बजे - विशिष्ट अतिथि का भाषण
दोपहर 12:20 बजे - मुख्य अतिथि का संबोधन
दोपहर 12:35 बजे - अध्यक्षीय उद्बोधन
दोपहर 12:50 बजे - स्मृति चिन्ह से मंचासीन अतिथियों का सम्मान
दोपहर 12:54 बजे - रजिस्ट्रार द्वारा आभार प्रदर्शन
दोपहर 12:59 बजे - कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा
दोपहर 1 बजे - राष्ट्रगान के साथ समापन

विवि का तीसवां दीक्षांत समारोह कल, भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी

केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी मुख्य अतिथि

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार होंगी। प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी सारस्वत अतिथि होंगे तथा लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे।

दीक्षांत समारोह आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय में पत्रकारवार्ता आयोजित की गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। दीक्षांत एक ऐसा अवसर होता है जहां विद्यार्थी केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त करता बल्कि वह उन संस्कारों के साथ आगे जाता है जो उसने इस अकादमिक परिसर में रहते हुए सीखा है। उसके व्यक्तित्व निर्माण से जुड़ी हर चीज उसकी स्मृति का हिस्सा होती हैं। विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना एक विद्यार्थी के लिए सबसे अन्यतम अनुभवों में से है, इसलिए दीक्षांत जैसे आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में काफी मायने रखता है। आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि यूजी के 620 पीजी के 440 और पीएचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने इस समारोह में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है जिसमें से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी।

नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का होगा उद्घाटन

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन भी होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है। इससे छात्राओं के हस्टल की सुविधा में और बढ़ोत्तरी होगी।

दीक्षांत समारोह की रिहर्सल

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में अपराह्न 3 बजे से आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और दीक्षांत प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान की जाने की पूरी प्रकिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर पूर्वाभ्यास में शामिल रहे। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 25 अप्रैल को भी अपराह्न 3 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह का सम्पूर्ण रिहर्सल किया जायेगा। इसमें मेडल पाने वाले विद्यार्थी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें ताकि मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रकिया से अवगत हो सकें। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र,छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण 25 अप्रैल को भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से किया जाएगा। पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषाक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं। सफेद रंग का भारतीय पोशाक, रंग बिरंगी बुन्देली पगड़ी और स्टोल उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों को वितरित किये जा रहे हैं। दीक्षांत पोशाक के वितरण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक और शिक्षक अपनी महती सेवा दे रहे हैं।

तैयारी नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी और म.प्र. कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव होंगे विशिष्ट अतिथि

दीक्षांत समारोह में अन्नपूर्णा देवी होंगी मुख्यातिथि

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार होंगी। प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी सारस्वत अतिथि होंगे तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे। दीक्षांत समारोह आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय में 'पत्रकार-वार्ता' आयोजित की गई जिसमें पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका. इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है. दीक्षांत एक ऐसा अवसर होता है जहां विद्यार्थी केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त करता बल्कि वह उन संस्कारों के साथ आगे जाता है जो उसने इस अकादमिक परिसर में रहते हुए सीखा है. उसके व्यक्तित्व निर्माण से जुड़ी हर चीज उसकी स्मृति का हिस्सा होती है. विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना एक विद्यार्थी के लिए सबसे अन्यतम अनुभवों में से है, इसलिए दीक्षांत जैसे आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में काफी मायने रखता है. उन्होंने इस पूरे आयोजन की संकल्पना और संरचना को पत्रकारों से साझा किया और सभी पत्रकार बंधुओं से दीक्षांत समारोह में शामिल होने की अपील की।

आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि यूजी के 620 पीजी के 440 और पी-एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने इस समारोह में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है जिसमें से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है. इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी।

नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का होगा उद्घाटन

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन भी होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है. इससे छात्राओं के हास्टल की सुविधा में और बढ़ोत्तरी होगी।

दीक्षांत समारोह का रिहर्सल किया

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में अपराह्न 03 बजे से आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और दीक्षांत प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान की जाने की पूरी

प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर पूर्वाभ्यास में शामिल रहे।

मैडल पाने वाले विद्यार्थियों की आज भी होगी रिहर्सल

मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 25 अप्रैल को भी अपराह्न 03 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह का सम्पूर्ण रिहर्सल किया जायेगा. इसमें मैडल पाने वाले विद्यार्थी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें ताकि मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत हो सकें।

गौर समाधि प्रांगण में आज भी होगा दीक्षांत पोशाक/डिग्री का वितरण

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण दिनांक 25 अप्रैल, 2022 को भी सुबह 11 बजे से शाम 4.00 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से किया जाएगा. पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते है. सफेद रंग का भारतीय पोशाक, रंग-बिरंगी बुन्देली पगड़ी और स्टोल उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों को वितरित किये जा रहे है. दीक्षांत पोशाक के वितरण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक और शिक्षक अपनी महती सेवा दे रहे हैं।

1140 छात्र-छात्राओं को मिलेगी डिग्री

मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी बांटेगी डिग्री

डॉ. गौर विवि का 30वां दीक्षांत समारोह 26 को

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में होगा। कार्यक्रम की मु य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी होंगी। सारस्वत अतिथि कलाकार व नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी तथा प्रदेश सरकार के लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे। यह जानकारी रविवार को पत्रकारा वार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए दी। उन्होंने कहा कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह नहीं किया जा सका, इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शामिल करने का निर्णय लिया है। दीक्षांत ऐसा अवसर होता है जहां विद्यार्थी केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त करता बल्कि वह उन संस्कारों के साथ आगे जाता है जो उसने इस अकादमिक परिसर में रहते हुए सीखा है, उसके व्यक्तित्व निर्माण से जुड़ी हर चीज उसकी स्मृति का हिस्सा होती हैं। आयोजन के मु य समन्वयक प्रो. नवीन कान्नगो ने बताया यूजी के 620 पीजी के 440 और पीएचडी के 80 विद्यार्थियों सहित 1140 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने पंजीकरण कराया है। अभी तक एक हजार विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने की सहमति दी है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह के पूर्व अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन किया जाएगा। यह छात्रावास पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के लिए बनाया गया।

दीक्षांत समारोह की रिहर्सल

सागर। दीक्षांत समारोह मे शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एव अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में दोपहर 3 बजे से आयोजित रिहर्सल मे भाग लिया। दीक्षांत प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान किए जाने की प्रक्रिया के संचालन का पूर्वा यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो बलवंतराय शातिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता पूर्वा यास में शामिल रहीं।

तैयारी । कुलाधिपति, कुलपति सहित शिक्षकों एवं मैडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया रिहर्सल

विवि का तीसवाँ दीक्षांत समारोह आज, केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी मुख्य अतिथि

बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थी लेंगे उपाधि, यूट्यूब पर होगा सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर के 30वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया है। दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि होंगी. प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे. समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. डिग्री प्रदान किये जाने के बाद विशिष्ट अतिथि वक्तव्य देंगे. मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा देवी दीक्षांत भाषण देंगी. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे. राष्ट्र गान जन-गण-मन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए यूजी के 620 पीजी के 440 और पी-एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है. इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 100 विद्यार्थियों को मेडल भी प्रदान किये जाएंगे. समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में अपनी उपाधियाँ प्राप्त करेंगे. दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा. यूट्यूब चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर

उपलब्ध कराई गई है. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारियों, विद्यार्थियों, प्रबुद्ध नागरिकगण, जनप्रतिधियों एवं मीडियाकर्मी बंधुओं को आमंत्रित किया गया है. दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे. इसके बाद अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कन्या छात्रावास का उद्घाटन होगा. गौरतलब है कि यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है. इससे छात्राओं के हास्टल की सुविधा में और बढ़ोत्तरी होगी।

दीक्षांत समारोह का किया रिहर्सल

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर रिहर्सल में सहभागिता की.

मैडल पाने वाले विद्यार्थी देंगे उपस्थिति

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मैडल प्रदान किया जाएगा. मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की स्वर्ण जयन्ती सभागार में बैठक व्यवस्था निर्धारित की गई है। मैडल पाने वाले सभी विद्यार्थी प्रातः 08.30 से 09. 30 बजे के बीच अपनी उपस्थिति देकर अपनी निर्धारित सीट ग्रहण कर लें। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया. इसी स्थल पर विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री फ़ाइल भी प्राप्त की. दीक्षांत पोशाक के वितरण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक और शिक्षकों ने सहयोग किया।

एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवक करेंगे सहयोग

दीक्षांत समारोह के आयोजन में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और एन एस एस के स्वयंसेवकों ने भी रिहर्सल किया. पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और एन एस एस के विद्यार्थी विभिन्न स्थानों पर अनुशासन एवं सहयोग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे. इस हेतु दोनों इकाईयों ने रिहर्सल और तैयारी की।

डा. गौर विवि का तीसवां दीक्षांत समारोह आज बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 30 वां दीक्षांत समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित इस समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार होंगी. प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी सारस्वत अतिथि होंगे तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे.

दीक्षांत समारोह आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय में 'पत्रकार-वार्ता' आयोजित की गई जिसमें पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो वर्ष से दीक्षांत समारोह का आयोजन नहीं किया जा सका. इसलिए विश्वविद्यालय ने इस आयोजन में दोनों वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है. दीक्षांत एक ऐसा अवसर होता है जहां विद्यार्थी केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त करता बल्कि वह उन संस्कारों के साथ आगे जाता है जो उसने इस अकादमिक परिसर में रहते हुए सीखा है. उसके व्यक्तित्व निर्माण से जुड़ी हर चीज उसकी स्मृति का हिस्सा होती है. विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना एक विद्यार्थी के लिए सबसे अन्यतम अनुभवों में से है, इसलिए दीक्षांत जैसे आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में काफी मायने रखता है. उन्होंने इस पूरे आयोजन की संकल्पना और संरचना को पत्रकारों से साझा किया और सभी पत्रकार बंधुओं से दीक्षांत समारोह में शामिल होने की अपील की.

आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि यूजी के 620 पीजी के

440 और पी-एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने इस समारोह में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है जिसमें से अभी तक लगभग 1000 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है. इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी.

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सारस्वती कन्या छात्रावास का उद्घाटन भी होगा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है. इससे छात्राओं के हास्टल की सुविधा में और बढ़ोत्तरी होगी। कुलाधिपति, कुलपति, शिक्षक और विद्यार्थियों ने किया दीक्षांत समारोह का रिहर्सल दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में अपराह्न 03 बजे से आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और दीक्षांत प्रोसेशन सहित डिग्री प्रदान की जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर पूर्वाभ्यास में शामिल रहे.

मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 25 अप्रैल को भी अपराह्न 03 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह का सम्पूर्ण रिहर्सल किया जायेगा. इसमें मेडल पाने वाले विद्यार्थी आवश्यक रूप से उपस्थित रहें ताकि मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया से अवगत हो सकें.

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण दिनांक 25 अप्रैल, 2022 को भी सुबह 11:00 बजे से शाम 4.00 बजे के बीच गौर समाधि प्रांगण से किया जाएगा. पोशाक प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र को साथ में लाकर अपना दीक्षांत पोषक निर्धारित काउंटर से प्राप्त कर सकते हैं. सफेद रंग का भारतीय पोशाक, रंग-बिरंगी बुन्देली पगड़ी और स्टोल उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों को वितरित किये जा रहे हैं. दीक्षांत पोशाक के वितरण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक और शिक्षक अपनी महत्ती सेवा दे रहे हैं.

30वां दीक्षांत समारोह आज • 100 टॉपर विद्यार्थियों को केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी स्वर्ण पदक पहनाकर करेंगी सम्मानित

गोल्ड मेडलिस्ट बोले : रटने से ज्यादा समझने पर किया फोकस और तय हो गया कोर्स में टॉपर बनने का रास्ता

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार को हो रहे विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह अपने-अपने कोर्स में टॉपर रहे विश्वविद्यालय के वर्ष 2019-20 और 2020-21 के 100 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिलेगा। समारोह में केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी इन विद्यार्थियों को मंच से स्वर्णपदक पहनाकर सम्मानित करेंगी। जबकि यूजी, पीजी और पीएचडी पूरी करने वाले विद्यार्थियों को समारोह में अपने-अपने स्थान पर खड़ा करके सम्मानित किया जाएगा। दिलचस्प यह है कि गोल्ड मेडल हासिल करने वाले 100 विद्यार्थियों में 70 फीसदी सागर जिले के हैं। जबकि 30 फीसदी प्रदेश के अन्य जिलों के विद्यार्थियों ने पदक हासिल किए हैं।

रिहर्सल के दौरान खुशी से झूम उठे विद्यार्थी।

गोल्ड मेडल हासिल करने वाली अनुष्का तिवारी, सागर (एमएजेएमसी), शिवम नेमा, दमोह (बीएबीएड), अनिल साहनी, सागर (एलएलबी), अंकित जैन, सागर (एमटेक एप्लाइड जूलॉजी), सौम्या पुंणतांबेकर, सागर (एमबीए), अंशिका जैन, बंडा सागर (बीसीए), हर्षिता सिंघई, सागर (बीफार्मा), हिमांशी जैन, सागर (बीबीए ऑनर्स), आकांक्षा नामदेव, शाहगढ़ सागर (एमएड) से सम्मान से एक दिन पहले दैनिक भास्कर ने चर्चा की। अधिकांश विद्यार्थियों का कहना था कि रटने से ज्यादा समझने पर फोकस किया।

2020 में 51 विद्यार्थी थे टॉपर, 2021 में 2 कम हो गए

परीक्षा विभाग से मिली लिस्ट के अनुसार शिक्षा सत्र 2019-20 की अपेक्षा 2021 में टॉपर विद्यार्थियों का ग्राफ आंशिक गिरा है। जानकार इसकी वजह कोराना महामारी बता रहे हैं। इसके कारण नियमित कक्षाएं नहीं लग पाने से पढ़ाई प्रभावित हुई। 2019-20 में विश्वविद्यालय के 51 विद्यार्थियों ने अपने-अपने कोर्स में टॉप किया था। जबकि 2021-22 में कुल 49 विद्यार्थियों ने ही सफलता हासिल की है।

बुंदेली वेश-भूषा में विद्यार्थी लेंगे उपाधि, लाइव प्रसारण होगा

सागर | 30वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में सुबह 10:15 बजे से शुरू होगा। समारोह की मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी होंगी। नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी तथा लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के पहल अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे. इसके बाद अतिथियों द्वारा नवनिर्मित कन्या छात्रावास का लोकार्पण किया जाएगा। समारोह में विद्यार्थी बुंदेली वेश-भूषा में उपाधियां प्राप्त करेंगे। समारोह का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी के यू-ट्यूब चैनल पर किया जाएगा। इसकी लिंक https://www.youtube.com/watch?v=bwo7A86sQd0 विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। 2 घंटे 45 मिनट के समारोह के दौरान 20 मिनट में मुख्य अतिथि 100 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान करेंगी।

500 वर्ष पुराना ...

विवि का 30वां दीक्षांत समारोह आज, बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थी लेंगे उपाधि

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह का आयोजन आज विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया है। दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि होंगी। प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी तथा लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगीं। डिग्री प्रदान किये जाने के बाद विशिष्ट अतिथि वक्तव्य देंगे। मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा देवी दीक्षांत भाषण देंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। राष्ट्र गान जन-गण-मन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए यूजी के 620 पीजी के 440 और पी.एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की जायेगी। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 100 विद्यार्थियों को मेडल भी प्रदान किये जाएंगे। समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा।

यूट्यूब चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराई गई है। गौर समाधि पर पुष्पांजलि के बाद नवनिर्मित कन्या छात्रावास का लोकार्पण होगा। दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे। इसके बाद अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कन्या छात्रावास का उद्घाटन होगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर रिहर्सल में सहभागिता की। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा। मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की स्वर्ण जयन्ती सभागार में बैठक व्यवस्था निर्धारित की गई है। मेडल पाने वाले सभी विद्यार्थी प्रातः 8.30 से 9.30 बजे के बीच अपनी उपस्थिति देकर अपनी निर्धारित सीट ग्रहण ग्रहण कर लें।

रिहर्सल पूरी, बुंदेली वेश-भूषा में उपाधि लेंगे विद्यार्थी

आयोजन ● विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह आज, केन्द्रीय राज्य शिक्षा मंत्री होंगी शामिल

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षा समारोह मंगलवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में होगा। समारोह के पूर्व सोमवार को विवि के अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थियों द्वारा अंतिम रिहर्सल की गई। समारोह में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि होंगी, जिसमें विवि के एक हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को बुंदेली वेश-भूषा में उपाधि बांटी जाएगी। वहीं विवि के नवनिर्मित कन्या छात्रावास का लोकार्पण भी होगा। दीक्षा समारोह में शामिल होने के लिए यूजी के 620 पीजी के 440 और पी-एचडी के 80 विद्यार्थियों सहित कुल 1140 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है। इसके अतिरिक्त 263 विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री दी जाएगी। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 100 विद्यार्थियों को मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। समारोह में समस्त विद्यार्थी बुंदेली पारंपरिक वेश-भूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षा समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा। यूट्यूब चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स व एनएसएस के विद्यार्थी सहयोग करेंगे, जिन्होंने सोमवार को विवि में पूर्वाभ्यास किया। ● नवदुनिया

गौर समाधि पर पुष्पांजलि के बाद नवनिर्मित कन्या छात्रावास का होगा लोकार्पण : दीक्षा समारोह के आरंभ होने से पूर्व अतिथियों द्वारा गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे। इसके बाद अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कन्या छात्रावास का उद्घाटन होगा। गौरतलब है कि यह छात्रावास छात्राओं के उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है। इससे छात्राओं के हास्टल की सुविधा में और बढ़ोत्तरी होगी। दीक्षा समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित रिहर्सल में भाग लिया और शोभायात्रा सहित मेडल वितरित किए जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी उपस्थित होकर रिहर्सल में सहभागिता की।

मेडल पाने वाले विद्यार्थी प्रातः 9:30 के पहले होंगे उपस्थित : दीक्षा समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा। मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की स्वर्ण जयन्ती सभागार में बैठक व्यवस्था निर्धारित की गई है। मेडल पाने वाले सभी विद्यार्थी प्रातः 8:30 से 9:30 बजे के बीच अपनी उपस्थिति देकर अपनी निर्धारित सीट पर बैठेंगे। सोमवार को ऐसे लगभग सौ विद्यार्थियों ने पूर्वाभ्यास किया। दीक्षा समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं की पोशाक का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया। इसी स्थल पर विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री फ़ाइल भी प्राप्त की। दीक्षा पोशाक के वितरण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक और शिक्षकों ने सहयोग किया।

एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवक करेंगे सहयोग

दीक्षा समारोह के आयोजन में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और एन एस एस के स्वयंसेवकों ने भी रिहर्सल किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और एन एस एस के विद्यार्थी विभिन्न स्थानों पर अनुशासन एवं सहयोग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। इस हेतु दोनों इकाईयों ने रिहर्सल और तैयारी की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारियों, विद्यार्थियों, प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिधियों एवं मीडियाकर्मी बंधुओं को आमंत्रित किया गया है।

सांसद मनोज तिवारी भी आएंगे, राष्ट्रगान के बाद होगा समापन

कार्यक्रम में प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी व मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। डिग्री प्रदान किए जाने के बाद विशिष्ट अतिथि वक्तव्य देंगे। मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी दीक्षा भाषण देंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

30 वां दीक्षांत समारोह: डा. सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शोधार्थी व विद्यार्थियों में दिखा गजब का उत्साह

स्वर्ण जयंती सभागार में सर्वोच्च अंक पाने वाले 100 विद्यार्थियों को मंच से मिले गोल्ड मेडल

हाथ में मेडल, डिग्री और चेहरे पर लंबी मुस्कान लिए झूमते दिखे विद्यार्थी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को उत्साहित विद्यार्थियों के बीच स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुआ। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी समारोह में मौजूद रहीं। मंच से मेडल और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी खुशी से झूमते नजर आए। इधर, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी और लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव बतौर शामिल हुए। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत तो अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की। कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन, भाजपा ... गौरव सिरोठिया, गौरव रापा, डॉ. प्रदीप पाठक, डॉ. जीएस चौबे, लता वानखेड़े, डॉ. वन्दना गुप्ता, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. ज्योति चौहान, सुशील देव, बृजमोहन सिंह सहित सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

झलकियां

- विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन
- समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा पहुंची स्वर्ण जयंती सभागार।
- 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि एवं मेडल।
- सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 100 विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मेडल प्रदान किया।
- केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी को गौर यूथ फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विवेक तिवारी ने सर गौर को भारत रत्न दिलाने ज्ञापन सौंपा।
- ... का हुआ लोकार्पण

यह बोले अतिथि

कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डॉ. गौर के सच्चे वारिस हैं। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे सुन्दर प्राकृतिक एवं ज्ञान से समृद्ध परिवेश में अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी के लिए सौभाग्य की बात है। हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जितने भी श्रेष्ठ गुरुकुल हुआ करते थे। उनके लिए किसी प्रकार का प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य था।

विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि ... विश्वविद्यालय में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय संबंध है। मेरी कई विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियां हैं।

मानव सयता में विश्वविद्यालयों का अहम योगदानः अन्नपूर्णा

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज मानव सयता अपने जिस पड़ाव पर है। खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौ सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं। वह सभी प्रायः विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं। इसीलिये भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रत्येक वर्ग, समाज के बच्चों के लिए समावेशी और सुलभ बताया।

स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजन, नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का हुआ लोकार्पण

30वां दीक्षांत समारोह: बुंदेली पारंपरिक वेश भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के 30वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मंगलवार को किया गया। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी थीं। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने ऑनलाइन माध्यम से दीक्षांत समारोह को संबोधित किया तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कीं।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो बलवंतराय शांतिलाल

के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सभी पदक और डिग्री से अलंकृत होने वाले विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति और गौरवशाली भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं। शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं। यूजीसी की परियोजना के तहत विश्वविद्यालय में स्किल हब की शुरुआत

की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई। सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया। वीनू राणा, डॉ प्रदीप पाठक, डॉ जीएस चौबे, डॉ वन्दना गुप्ता, डॉ प्रदीप चौहान, बृजमोहन सिंह सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिनिधि एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो आरके त्रिवेदी, डॉ राकेश सोनी, सहित विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों, प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया।

आचरण

सागर, बुधवार, 27 अप्रैल 2022 3

सागर, आचरण। विवि में आयोजित 30वें दीक्षांत समारोह में मौजूद विशिष्टजनों ने सामूहिक चित्र खिंचवाया। समारोह में केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और कुलपति नीलिमा गुप्ता बच्चों को डिग्री प्रदान करती हुईं। छाया: गोविन्द सरवैया

दीक्षांत समारोह। केन्द्रीय मंत्री ने किया नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का लोकार्पण

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर के 30वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया. दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी थीं. विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने ऑनलाइन माध्यम से दीक्षांत समारोह को संबोधित किया तथा मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

राष्ट्र के प्रति समर्पण में है पदक और उपाधि की सार्थकता- कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डॉ. गौर के सच्चे वारिस है। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है।"

मानव समाज की प्रगति में विश्वविद्यालयों का अहम योगदान- अन्नपूर्णा देवी

समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौ सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है. इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत

केन्द्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी डॉ. हरीसिंह गौर की समाधि पर पुष्पचक्र अर्पित करतीं हुईं।

मिले है, वह सभी प्रत्यक्ष: विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे है. इसीलिये भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रत्येक वर्ग, समाज के बच्चों के लिए समावेशी और सुलभ बताया. विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आपकी खुशकिस्मती है कि आप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में अध्ययन किया है। ऐसे में आपको डॉ. गौर अपने परिवार, अपने विश्वविद्यालय, अपने शिक्षकों और ईश्वर के प्रति हमेशा कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए और आने वाले समय में अपनी सम्पूर्ण क्षमता और सामर्थ्य के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए. उन्होंने सभी पदक और डिग्री से अलंकृत होने वाले विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति और गौरवशाली भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किया।

विद्यार्थी ज्ञान, सद्भावना और मनुष्यता के राजदूत बनें: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई है. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये है. यूजीसी की परियोजना के तहत विश्वविद्यालय में स्किल हब की शुरुआत की गई है. प्लेसमेंट सेल और स्टार्ट अप योजनाओं के तहत विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है. पिछले दिनों देश के कई विश्वविद्यालयों और उत्कृष्ट संस्थाओं से हुए शैक्षणिक समझौतों का भी उन्होंने जिक्र किया. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर हमारे विद्यार्थी संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे।

11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि एवं मैडल

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मैडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त की।

गौर समाधि पर पुष्पांजलि, नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी। इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया सहयोग जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. आर के त्रिवेदी, डॉ. राकेश सोनी सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया. दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई। कार्यक्रम में सागर नगर विधायक शैलेन्द्र जैन, गौरव सिरोठिया, वीनू राणा, डॉ. प्रदीप पाठक, डॉ. जीएस चौबे, मुकेश जैन ढाना, श्रीमती लता वानखेड़े, डॉ. चन्दन गुप्ता, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. ज्योति चौहान, सुनील देव, बृजमोहन सिंह सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिनिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे।

30वां दीक्षांत समारोह : पारंपरिक बुन्देली वेशभूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का हुआ लोकार्पण

जागरण न्यूज, सागर

डॉ.हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मंगलवार को किया गया। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी थीं। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने ऑनलाइन माध्यम से दीक्षांत समारोह को संबोधित किया तथा लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की। अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजीए पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कीं।

समाज की प्रगति में विश्वविद्यालयों का अहम योगदान: अन्नपूर्णा देवी

मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौ सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले है, वह सभी प्रायः विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं। इसीलिए भारत सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आपकी खुशकिस्मती है कि आपने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में अध्ययन किया है। ऐसे में आपको डॉ. गौर, अपने परिवार, अपने विश्वविद्यालय, अपने शिक्षकों और ईश्वर के प्रति हमेशा कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।

डॉ. गौर की सुरम्य बगिया में ज्ञान प्राप्त करना गौरव की बात: सांसद मनोज तिवारी

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात लोक कलाकार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने ऑनलाइन माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे सुन्दर प्राकृतिक एवं ज्ञान से समृद्ध परिवेश में अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी के लिए सौभाग्य की बात है। हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जितने भी श्रेष्ठ गुरूकुल हुआ करते थे उनके लिए किसी प्रकार का प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं।

विश्वविद्यालय से है आत्मीय लगाव: गोपाल भार्गव

विशिष्ट अतिथि केबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है। मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियां हैं। उन्होंने कहा कि पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और अपने क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी तन, मन, धन से सहयोग कर देश को एक नई दिशा दें और ऊंचाई पर पहुंचाएं।

गौर समाधि पर पुष्पांजलि, छात्रावास का लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी। इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने भी सहयोग किया। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. आरके त्रिवेदी, डॉ. राकेश सोनी सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किए जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डॉ. गौर के सच्चे वारिस हैं। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है।

सागर सिटी

30वां दीक्षांत समारोह

1140 विद्यार्थियों को मिली उपाधि, 100 विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मंगलवार को 30वें दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के 1140 विद्यार्थियों को यूजी-पीजी और पीएचडी की उपाधि प्रदान की। इस दौरान विश्वविद्यालय के वर्ष 2019-20 और 2020-21 के 100 मेधावी विद्यार्थियों को मंच से स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया। उपाधि और मेडल मिलने के बाद विद्यार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा बुंदेली वेशभूषा में छात्र जमकर झूमे। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के कारण विश्वविद्यालय में 2 साल बाद दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया था।

विश्वविद्यालय के 30 वें दीक्षांत समारोह में कहा

आप की खुशकिस्मती है कि आप डॉ.गौर विश्वविद्यालय के छात्र हैं : अन्नपूर्णा देवी

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

- पदक लेने वाले छात्र डॉ गौर के सच्चे वारिश: कुलाधिपति
- मेडल और पदक से नवाजे गए छात्र-छात्राएं

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने विवि से पीएचडी, पीजी और यूजी में उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मैडल देते हुए उनसे डा. गौर विवि का नाम रोशन करते रहने का आव्हान किया। दीक्षांत भाषण में केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा आज मानव स यता अपने जिस पड़ाव पर है, हम इसके पिछले दो तीन सौ सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं, वह सभी विश्वविद्यालय से ही संबद्ध रहे हैं। उन्होंने कहा इस दिशा में भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्य योजना पर काम कर रही है। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा यह आपकी खुश किस्मती है कि आप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में अध्ययन किया है, ऐसे में आपको डॉ. गौर, अपने परिवार, अपने विश्वविद्यालय, शिक्षकों और ईश्वर के प्रति हमेशा कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए, आने वाले समय में अपनी संपूर्ण क्षमता और सामर्थ्य के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पदक और डिग्री से अलंकृत होने वाले विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति और गौरवशाली भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डॉ गौर के सच्चे वारिस हैं। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा स पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है। विद्यार्थी राष्ट्र प्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है। प्रो. जानी ने डॉ गौर के जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन.अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। भाषाएं भारतीय सामाजिक भिन्नता को एकता के एक साझे सूत्र में बांधती हैं, भारतीय भाषाओं में संपूर्ण भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं। डॉ गौर ने विदेशी धरती पर शिक्षा जरूर प्राप्त की लेकिन उनकी चिंतन प्रक्रिया की दृष्टि पूर्णत: भारतीय थी, इसीलिये मैं कहता हूँ कि डॉ. गौर भारतीय स्वत्वबोध के अग्रगण्य नायक थे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन में विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा डॉ गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर विश्वविद्यालय प्रगति कर रहा है, विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है। विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं।

उपाधि और पदक मिलते ही विद्यार्थियों के खिले चेहरे

आयोजन ● विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षा समारोह में बुंदेली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षा समारोह मंगलवार को विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने दो साल के विद्यार्थियों को डिग्री व गोल्ड मेडल वितरित किए। डिग्री मिलते ही विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और यह खुशी उनके साथ-साथ उनके स्वजनों के चेहरे पर भी नजर आई।

समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने दीक्षा भाषण देते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौर सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं, वह सभी प्रायः विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं।

इसलिए भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह आपकी खुशकिस्मती है कि आप डा. हरीसिंह गौर विवि जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में अध्ययन किया है। आने वाले समय में अपनी सम्पूर्ण क्षमता और सामर्थ्य के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्र के प्रति समर्पण में है पदक और उपाधि की सार्थकता-कुलाधिपति प्रो. जानी: समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डा. गौर के सच्चे वारिस हैं। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा अ सम्पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी

दीक्षा समारोह के दौरान कई विद्यार्थी मेडल व डिग्री लेने के बाद ग्रुप फोटो करवाते हुए नजर आए। ● नवदुनिया

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मेडल प्रदान करते हुए अतिथि। ● नवदुनिया

दीक्षा समारोह में मेडल व डिग्री हासिल करने के बाद परिसर में खुशी से उछलते हुए विवि के विद्यार्थी। ● नवदुनिया

समापन अवसर पर इस तरह अतिथि और विद्यार्थियों ने अपनी जगह पर खड़े होकर राष्ट्रगान किया। ● नवदुनिया

डा. गौर की सुरम्य बगिया में ज्ञान प्राप्त करना गौरव की बात : मनोज तिवारी

विशिष्ट अतिथि कलाकार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आनलाइन माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डा. गौर विवि जैसे सुन्दर प्राकृतिक एवं ज्ञान से समृद्ध परिवेश में अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी के लिए सौभाग्य की बात है। हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जितने भी श्रेष्ठ गुरुकुल हुआ करते थे उनके लिए किसी प्रकार का प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य था। विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण विभाग के मंत्री गोपाल भार्गव भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हम सबका छात्र जीवन डा. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और अपने क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें।

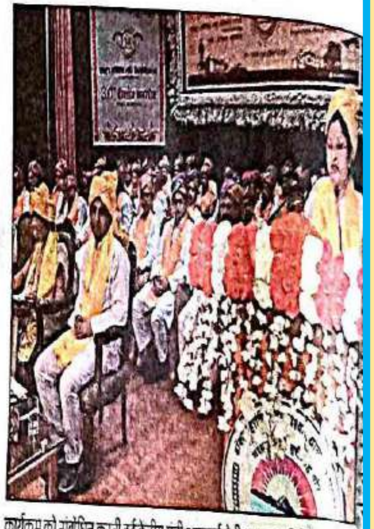

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी व अन्य अतिथि। ● नवदुनिया

11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि एवं मेडल

दीक्षा समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मेडल भी दिया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त की। इस दौरान यूजी के 620, पीजी के 440 और पीएचडी के 80 विद्यार्थियों ने अपना पंजीयन कराया था। इस दौरान सर्वोच्च अंक पाने वाले 100 विद्यार्थियों को मेडल दिए गए।

बुंदेली वेशभूषा में उपाधि प्राप्त की विद्यार्थियों ने

विवि का 39वां दीक्षांत समारोह, पीएचडी, पीजी, यूजी के विद्यार्थी हुए शामिल, कार्यक्रम के पूर्व निकली शोभायात्रा

नवभारत न्यूज

सागर 26 अप्रैल. डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि के 30वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया.

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डॉ. गौर के सच्चे वारिस हैं. आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्न युवा शक्ति की आवश्यकता है. सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों.

समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौ सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है. इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं, वह सभी प्रायः विवि से ही संबंद्ध रहे हैं. इसीलिये भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. विशिष्ट अतिथि प्रख्यात लोक कलाकार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी एवं लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया.

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे. दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी.एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई.

इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कीं. नवनिर्मित सरस्वती कन्या छात्रावास का शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ. प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा कार्यक्रम में विधायक शैलेंद्र जैन, गौरव सिरोठिया, जीतू राणा, डॉ. प्रदीप पाठक, डॉ. जीएस चौबे, लता वानखेड़े, डॉ. वन्दना गुप्ता, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. ज्योति चौहान, सुनील देव, बृजमोहन सिंह मौजूद रहे.

सागर यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह– उपाधि और मेडल पाकर विद्यार्थियों के खिले चेहरे

अब जिंदगी की यूनिवर्सिटी के इम्तिहान में बेहतर करना होगा– केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी

(दैनिक सागर सरोज) सागर । सागर की डॉ. हरीसिंह गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी का 30वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित हुआ। स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में उपाधि और मेडल पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने मेडल मिलते ही अपनी खुशी जाहिर की। वहीं परिवार के साथ फोटो खिंचवाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए। दीक्षांत समारोह के लिए 1140 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। जिसमें एक हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें से 100 विद्यार्थियों को मेडल से सम्मानित किया गया। इसके अलावा यूजी के 620, पीजी के 440 और पीएचडी के 80 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। कार्यक्रम में करीब 60 प्रतिशत छात्राओं को मेडल और उपाधि से सम्मानित किया गया । समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौर सालों की प्रगति को देखें तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है। जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं। वह सभी प्रायः विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं। सभी पदक और डिग्री से अलंकृत होने वाले विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति की और बढ़ना है। अब उन्हें जिंदगी की यूनवर्सिटी के इम्तिहान में बेहतर करना होगा।

बुंदेली वेशभूषा में नजर आए विद्यार्थी

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी बुंदेली वेशभूषा में नजर आए। उन्होंने कुर्ता और सिर पर पगड़ी लगा रखी थी। दीक्षांत समारोह में शामिल प्रगति वर्मा ने बताया कि वह दो साल से दीक्षांत समारोह का इंतजार कर रही थी। लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते कार्यक्रम नहीं हो सका। आज दीक्षांत समारोह में उपाधि पाकर बहुत खुश हूं और आगे अपने जीवन के पथ पर चलने के लिए तैयार हूं।

कार्यक्रम में कलाकार और नई दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव वर्चुअल शामिल हुए।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी, सागर विधायक शैलेंद्र जैन कुलसचिव संतोष सहगोरा आदि मौजूद थे।

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह

डिग्री और मेडल मिलते ही खिल उठे छात्र-छात्राओं के चेहरे

सागर

डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षा समारोह मंगलवार-को विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी ने दो साल के विद्यार्थियों को डिग्री व गोल्ड मेडल वितरित किए। डिग्री मिलते ही विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और यह खुशी उनके साथ-साथ उनके स्वजनों के चेहरे पर भी नजर आई।

समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी ने दीक्षा भाषण देते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछले दो तीन सौर सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं, वह सभी प्राय: विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं। इसलिए भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह आपकी खुशकिस्मती है कि आप डा. हरीसिंह गौर व्रिवि जैसे महत्?वपूर्ण संस्थान में अध्ययन किया है। आने वाले समय में अपनी सम्पूर्ण क्षमता और सामर्थ्य के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डा. गौर के सच्चे वारिस हैं। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्ना युवा शक्ति की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है। डा. गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विवि में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। भाषाएं भारतीय सामाजिक भिन्नता को एकता के एक साझे सूत्र में बांधती हैं और भारतीय भाषाओं में सम्पूर्ण भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्?व करती हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डा. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। यूजीसी की परियोजना के तहत विवि में स्किल हब की शुरुआत की गई है। प्लेसमेंट सेल और स्टार्ट अप योजनाओं के तहत विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि कलाकार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आनलाइन माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डा. गौर विवि जैसे सुन्दर प्राकृतिक एवं ज्ञान से समृद्ध परिवेश में अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी के लिए सौभाग्य की बात है। हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जितने भी श्रेष्ठ गुरुकुल हुआ करते थे उनके लिए किसी प्रकार का प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य था। विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण विभाग के मंत्री गोपाल भार्गव ने भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हम सबका छात्र जीवन डा. गौर विवि में बीता है। पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और अपने क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें।

kamlesh Soni journalist
hitavada

JABALPUR ■ Thursday ■ April 28 ■ 2022 CITYLINE

Dr Hari Singh Gaur Central University's Convocation held

■ Our Correspondent
SAGAR, Apr 27

IN A glittering and graceful function, 30th convocation ceremony of Dr Hari Singh Gaur Central University, Sagar was organised at the Golden jubilee auditorium of the University campus.

The chief guest on the occasion was Union Minister of State For Education Annpurna Devi. Member of Playmaker, New Delhi Manoj Tiwari attended the function online and addressed the gathering. PWD Minister, MP Government Gopal Bhargava sent video message for the function. The function was presided over by Chancellor of Dr Hari Singh Gaur Central University Prof Balwant Rai Shantilal Jani.

Addressing gathering Chancellor Prof Jani said that all students seeking degree and medals in this convocation are real inheritor of Dr Hari Singh Gaur. Nation needs intelligent and talented youth power, to make rapid strides in progress. All students should contribute in nation building.

The chief guest on the occasion Union Minister Annpurna Devi said that if progress of the country of last 200-300 years is analysed then it is found that universities have played an important role. The knowledge of arts, literature, politics, economics, philosophy, governance, have been sought by people since ages from Universities. Hence Government of India is working seriously on action plan of New Education Policy 2020 with an aim to bring positive change in society. NEP would be convenient and inclusive for each society and section. She congratulated all the degree and medal holders.

Vice-Chancellor Prof Neelima Gupta threw light on the progress journey of Dr Hari Singh Gaur University. She said that University is working forwards by following the principles and aims of Dr Hari Singh Gaur. The University is extensively using IT in teaching activities. Many research projects on science and social science is being taken up University teachers and students. At the onset, Convocation parade arrived at the auditorium along with University flag. This parade was attended by Chancellor, Vice chancellor, chief guest, members of University Executive Council, Student Council. The flag bearers was Registrar Santosh Sohagaura.

In this convocation, UG, PG, PhD degrees were awarded to students of 11 departments. The topper of each course were also presented with medals. All degree and medal holders were dressed in traditional Bundeli attire. Prior to the function, dignitaries visited 'Gaur Samadhi' and paid floral tributes. Then chief guest inaugurated the newly-constructed Saraswati Girls' Hostel building.

Chief co-ordinator Prof Naveen Kango, Senior faculty Prof RK Trivedi, Dr Rakesh Soni and all convenor and their teams rendered active cooperation in making this function successful. Dr Ashutsoh conducted proceedings of function and Registrar Santosh Sohgaura conducted medal presentation event.

A view of the convocation ceremony of the Dr Hari Singh Gaur Central University, Sagar.

प्रकाशित समाचारों की लिंक

- http://ncrsamacharlive.in/news-details.php?more=5234
- https://youtu.be/2abA0ssMDpQ
- https://www.sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=13359
- https://bharatbhvh.com/dr-sir-harisingh-gour-central-universitys-thirtieth-convocation concluded/
- http://www.bharatbhvh.com/
- https://youtu.be/COUMQaD5390
- https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=3466749253551959&id=100006507544315
- https://www.facebook.com/106558305151154/posts/165133375960313/?sfnsn=wiwspwa
- https://www.facebook.com/106558305151154/posts/164719786001672/?sfnsn=wiwspwa
- https://www.facebook.com/106558305151154/posts/164555222684795/?sfnsn=wiwspwa
- सहारा समय (छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश), बंसल न्यूज़, IND 24, इंडिया न्यूज़, चैनलों पर प्रसारित

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.ac.in www.dhsgsu.edu.in